

Date
21/05/2020

TEACHING OF SCIENCE

D. Ed. Ed. IVth Sem

Topic- सुरक्षा एवं प्राथमिक
उपचार

Period- I

प्राथमिक चिकित्सा को आवश्यकता =

प्राथमिक चिकित्सा का ज्ञान

आज हर शिक्षक - शिक्षिका को ही नहीं, हर व्यक्ति के लिये जीवनवर्ष बँट गया है। आज यातायात के साधनों की अधिकता के कारण मृत्यु दुर्घटनाएँ होती रहती हैं।

जब भी कोई दुर्घटना होती है, उस समय ऐसा नहीं होता कि तुरन्त डॉक्टरी उपचार मिल सके। डॉक्टर तक पहुँचने से पहले दुर्घटना पीड़ित व्यक्ति को जो भी चिकित्सा सहायता दी जाती है, वह प्राथमिक चिकित्सा कहलाती है।

दुर्घटना के प्रकार =

दुर्घटनाओं की घटना आपत्तौर पर यातायात में या घर में होती हैं। इन दुर्घटनाओं के अनेक परिणाम होते हैं। इन्हीं परिणामों के कारण हम दुर्घटनाओं को इन प्रकारों में बाँट सकते हैं -

- | | |
|-----------------|-----------------------------|
| 1- डूबना | 2- गिरकर चोट लगना |
| 3- रेल दुर्घटना | 4- बस या अन्य वाहन दुर्घटना |
| 5- विषपान | 6- कटना |
| 7- धाव फ़रार | 8- रक्त-चाप |

प्रायोगिक नियंत्रण के गुण =

प्रायोगिक नियंत्रण में इन गुणों का

होना आवश्यक है -

- 1- चतुर्मुख एवं आत्म विश्वास
- 2- निर्णय शक्ति
- 3- शरीर शास्त्र का ज्ञान
- 4- निरीक्षण शक्ति
- 5- सूझ-बूझ
- 6- दयालु
- 7- धैर्यशील
- 8- स्पष्टवादी
- 9- कर्तव्य-परायण
- 10- प्रशिक्षण प्राप्ति

Continue